वन प्रशिक्षण संस्थान एवं रेंजर कॉलेज, सुंदरनगर (हिमाचल प्रदेश) के प्रशिक्षु वन रक्षकों का हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का दौरा

वन प्रशिक्षण संस्थान एवं रेंजर कॉलेज, सुंदरनगर (हिमाचल प्रदेश) के 48 प्रशिक्षु वन रक्षकों नें अध्ययन भ्रमण के दौरान दिनांक 14.06.2017 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का दौरा किया।

संस्थान के अरण्यपाल तथा प्रभाग प्रमुख, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, श्री सत्य प्रकाश नेगी ने प्रशिक्षु वन रक्षकों तथा उनके साथ आये संकाय सदस्य का हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक की ओर से संस्थान में पधारने पर हार्दिक स्वागत किया एवं कहा कि वनों का उचित प्रबंधन वर्तमान समय की मांग है और आप सभी इस कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे ।

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रशिक्षुओं

को संस्थान की उपलब्धियों, वर्तमान गतिविधियों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की । उन्होंने बताया कि संस्थान वर्तमान में राष्ट्रीय उद्यान व वन्य जीव अभ्यारण्यों में पादप-विविधता का अध्ययन, देवदार, चीड़, कैल, सैलिक्स प्रजातियों की बीमारियों, नश्वरता नियंत्रण के लिए कीट प्रबंधन रणनीति, हिमाचल प्रदेश के उच्च क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए औषधीय पौध सरंक्षण क्षेत्रों तथा प्रेक्षण क्षेत्र की स्थापना, शंकुधारी (कोनिफर) तथा चौड़ी पत्ती (ब्रॉड-लीव्ड) वाले वृक्ष प्रजातियों, औषधीय पौधों तथा शुष्क मरुस्थल की स्थानीय प्रजातियों की बीज, पौधशाला तथा पौधरोपण की तकनीकों का विकास एवं मानकीकरण दिशा में अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन कर रहा है । इसके अतिरिक्त संस्थान हिमाचल प्रदेश में स्थापित विभिन्न जलविद्युत व सिंचाई परियोजनाओं का पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययन तथा पर्यावरण प्रबंधन योजना का प्रारूप, लोगों में पर्यावरण जागरूकता एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के क्षेत्र में भी कार्य कर रहा है ।

अंत में डॉ. पवन कुमार ने प्रशिक्षुओं द्वारा उठाये गए विभिन्न प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए तथा उनका मार्गदर्शन भी किया ।

तदोपरान्त वन प्रशिक्षुओं को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं (पारिस्थितिकी एवं जैव विविधता संरक्षण, वन बचाव, वन वर्धन एवं वृक्ष सुधार, अकाष्ठ वन उत्पाद प्रभाग तथा कृषि-वानिकी एवं विस्तार) का भ्रमण करवाया गया एवं प्रयोगशाला प्रभारियों द्वारा प्रयोगशालाओं में चल रहे कार्यों एवं विभिन्न प्रयोगों के बारे में अवगत करवाया ।

पारिस्थितिकी एवं जैव विविधता संरक्षण प्रयोगशाला

वन वर्धन एवं वृक्ष सुधार प्रयोगशाला

वन बचाव प्रयोगशाला

अकाष्ठ वन उत्पाद प्रभाग एवं कृषि-वानिकी एवं विस्तार प्रयोगशाला

अंत में प्रशिक्षुओं को संस्थान के वनस्पति संग्राहलय में संग्राहलय प्रभारी द्वारा वनस्पतियों के संग्रहण के बारे में बताया गया ।

वनस्पति संग्राहलय

अपराह्न में प्रशिक्षुओं को डॉ वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक-सी एवं डॉ जोगिन्दर चौहान, अनुसंधान अधिकारी ने संस्थान द्वारा स्थापित पश्चिमी हिमालयन सम-शीतोष्ण वृक्ष-वाटिका, पोर्टर हिल्स, शिमला (हि0प्र0) में ले जाया गया तथा वहां पर संस्थान द्वारा की गई गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई ।